



न्यायालय: माननीय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश

जिला ग्वालियर

रिव्यू 501-PBR-15

प्र. क्र. गिरिधरी / अध्यक्ष / / 2014 निगरानी

श्री. विक्रम प्रदीपसिंह (स.)
दि. आज दि. 10-3-15 को
प्रस्तुत

Dr. Dhruv
10-3-15
राजस्व मण्डल मध्य प्रदेश

विक्रम पुत्र प्रदीपसिंह नावा 0सरपरस्त मॉ अल्का
पत्नी श्री प्रदीप निवासी 161 सी 0पी 0 कॉलोनी
मुरार जिला ग्वालियर म 0 प्र 0प्रार्थी
बनाम

पंजाब एण्ड सिंध बैंक शाखा जयेन्द्रगंज द्वारा
शाखा प्रबंधक

2. म 0 प्र 0 शासन द्वारा नायब तहसीलदार
.....प्रतिप्रार्थी

म 0 प्र 0 भूराजस्व संहिता की धारा 51 के अंतर्गत माननीय स्वदीपसिंह
अध्यक्ष राजस्व मण्डल म 0 प्र 0 ग्वालियर के प्रकरण क मांक
निगरानी / 2522 / अध्यक्ष / 2014 में पारित आदेश दिनांकी 13.11.
2014 के निर्णय के विरुद्ध रिव्यू

जी,

निम्न प्रकार प्रस्तुत है :-

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

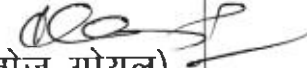
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

करण क्रमांक रिव्यू 501-पीबीआर/15

जिला ग्वालियर

दिनांक तथा क्रमांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
3-6-2015	<p>आवेदक एवं अनावेदक क्रमांक 2 के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। इस न्यायालय के आदेश दिनांक 13-11-2014 का अवलोकन किया गया। म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 51 सहपठित व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 की धारा 114 तथा आदेश 47 नियम 1 में पुनर्विलोकन हेतु निम्नलिखित आधारों का उल्लेख किया गया है :-</p> <ol style="list-style-type: none">1 किसी नई और महत्वपूर्ण बात या साक्ष्य का पता चलना जो सम्यक् तत्परता के पश्चात भी उस समय जब आदेश किया गया था, उस पक्षकार के ज्ञान में नहीं थी अथवा उसके द्वारा पेश नहीं की जा सकती थी, या2 मामले के अभिलेख से ही प्रकट कोई भूल या गलती, या3 कोई अन्य पर्याप्त कारण <p>2 आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा तर्कों में ऐसी कोई साक्ष्य या बात नहीं बताई गई है, जो आदेश पारित करते समय प्रस्तुत नहीं कर सकते थे। उनके द्वारा अभिलेख से परिलक्षित त्रुटि भी नहीं बतलाई गई</p>	

है । केवल इस न्यायालय द्वारा निकाले गये निष्कर्षों में त्रुटि बतलाने का प्रयास किया गया है, जो पुनर्विलोकन का आधार नहीं हो सकता है । अतः यह पुनर्विलोकन प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य किया जाता है ।


(मनोज गोयल)
अध्यक्ष

प्र. क्र. ~~गिरादी~~ / अध

श्री. विवेक शीवाले
दि. आज दि. 10-3-11

अध्यक्ष
Dr. J. M. J.
न्यायालय

म0प्र0भूराजस्व सं
अध्यक्ष राजस्व
निगरानी / 2522
2014 के निर्णय

ति.

प्रार्थी की ओर से रि यह कि, प्रार्थी के स जिला ग्वालियर में स्वामित्व का था प्रा वसीयतनामा दिनांक उक्त संपत्ति का श्र गया था परन्तु प्रार्थ न करा सका इसी के आधार पर नाम करा ली । इस प्र अपना इन्द्राज क की संपत्ति मानते ऋण प्राप्त किय नौके पर कोई उ